समस्तीपुर जिला में साक्षरता वितरण का भौगोलिक अध्ययन

गौतम कुमार
बी॰ एन॰ मण्डल विश्वविद्यालय मधेपुरा

डॉ॰ अश्विनी कुमार झा
भूगोल विभाग
आर॰ एम॰ कॉलेज सहरसा

परिचय :–

साक्षरता मानव का वह गुण है जो पशुता से अलगकर मानवता प्रदानकर विवेकशील प्राणी बनाता है। हितोपदेश में शिक्षा विहिन मानव को पुछहीन जानवर की उपमा दी गई है। हितोपदेश में शिक्षा के महत्व के सम्बन्ध में लिखा गया है–

"विद्या ददाति विनयं, विनयाद् यति पात्रताम्।
पात्रत्वात् धनमापोति, धनात् धर्म ततः सुखम्।।

विद्या से विनम्रता प्राप्त होता है, विनम्रता योग्यता आती है, योग्यता से धन प्राप्त होता है, जिससे हमें धर्म एवं सुख मिलता है।

विश्व स्तर पर सभी देशो में शिक्षा विकास की नीतियाँ अपनायी जाती है तथा शिक्षा को जीवन का अनिवार्य अंग माना जाता है। आदिकाल से ही भारतीय सांस्कृति में शिक्षा का महत्व रहा है। शिक्षा को अमरत्व का साघन माना गया है। "सा विद्या या विमुक्तये" का मंत्र संसार की एक मात्र हिन्दू संस्कृति में मिलता है। हमारी संस्कृति ने सनातन काल से ही गुरू–शिष्य परम्परा के माध्यम से शिक्षा को जीवन का महत्वपूर्ण अंग माना है। शिक्षा के महत्व सम्बन्ध में यहाँ तक कहा गया है कि विद्या अनुपम कृति है जो विपरीत समय में भी कामधेनु के समान है। यह मानव का तीसरा नेत्र तथा बिना रत्न का आभूषण है। शिक्षा मानव जीवन में निम्नांकित महत्व है–

I. साक्षरता मानव को पशुता से अलग करता एवं मानवता प्रदान करता है।
II. साक्षरता मानव का गुणात्मक पक्ष है।
III. साक्षरता मानव विकास का सूचक है।
IV. यह मानव का सबसे बड़ी स्थायी निधि है।
V. किसी देश के विकास में साक्षरता की अहम् भूमिका होती है।
VI. यह आपदा नियंत्रण एवं जनवृद्धि नियंत्रण में सहायक है।
VII. शिक्षा जीवन जीने को कला है।

अध्ययन क्षेत्र :–

प्रस्तुत लेख का अध्ययन क्षेत्र समस्तीपुर जिला एक प्रशासनिक या राजनैतिक प्रदेश है, जिसके उत्तर में दरभंगा जिला, दक्षिण में बेगूसराय एवं पटना जिला, पूरब में खगड़िया एवं बेगूसराय जिला तथा पश्चिम में मुजफ्फपुर एवं वैशाली जिला से सीमाकित है। ज्यामितीय अवस्थिति में अक्षांशीय विस्तार 25^0 30' 00" उ० से 26^0 05' 00" उ० तक, देशान्तरीय विस्तार 85^0 37' 50" पू० से 86^0 23' 30" पू० तक फैला हुआ है। उसका भौगोलिक क्षेत्रफल 2904 Km^2 जिसमें ग्रामीण क्षेत्रफल 2888 Km^2 तथा नगरीय क्षेत्रफल 16 Km^2 है। इसकी लम्बाई 66 किमी० तथा चौड़ाई 48 किमी० है। प्रशासनिक दृष्टि से समस्तीपुर जिला में चार अनुमण्डल एवं 20 प्रखण्ड है। वर्तमान त्रिस्तरीय पंचायतीराय व्यवस्था में एक जिला बोर्ड 20 पंचायत समिति तथा 381 ग्राम पंचायत है। यहाँ गाँव की कुल संख्या 1349 है, जिसमें 1237 चिरागी तथा 112 वेचिरागी गांव है। नगरीय क्षेत्र में स्थानीय स्वशासन में समस्तीपुर में नगरपालिका तथा अन्य चार नगर में नगर पंचायत की व्यवस्था है।

अध्ययन का उद्देश्य :–

साक्षरता अध्ययन का मुख्य उद्देश्य अध्ययन क्षेत्र में साक्षरता के स्वरूप से अवगत होना तथा न्यून साक्षरता के कारणो एवं निदान के उपयो की जानकारी प्राप्त कर साक्षरता वृद्धि में तीव्रता लाना है। जिससे सम्पूर्ण जिला में साक्षरता शत प्रतिशत किया जा सके।

परिकल्पना :–

परिकल्पना एक काल्पनिक विचार है, जिसकी जाँच परख से सत्य स्थापित किया जा सकता है। प्रस्तुत लेख आँकड़ो पर आधारित लेख है। सम्पूर्ण अध्ययन क्षेत्र में न्यून साक्षरता एवं मानव विकास के साथ–साथ आर्थिक, समाजिक, संस्कृतिक एवं राजनैतिक विकास में बाधक है। साक्षरता वृद्धि के लिए सरकारी प्रयास, समाजिक एवं व्यक्तिगत जागरूपता लाना है। इसके साथ ही शिक्षण, संस्थानो की कमी को दूर कर साक्षरता में वृद्धि का प्रयास होगा।

विधितंत्र :–

अध्ययन क्षेत्र समस्तीपुर जिला में साक्षरता का अध्ययन हेतु अनेक स्रोतो से आंकड़ो का संग्रह किया गया है–

I. भारत की जनगणना 2001 एवं 2011 बिहार श्रृखला ।।
II. इटरनेट से प्राप्त आँकड़ो का संग्रह।
III. अनेक पुस्तको पत्र पत्रिकाओ का अध्ययन।
IV. मानचित्र एवं आरेखो के लिए नवीन तकनिकी का प्रयोग।
V. पूर्व के अनेक लेखो पत्र पत्रिकाओ पुस्तको, शोध ग्रंथो आदि के अध्ययन से तथ्यो का संग्रह।

साक्षरता परिकलन :–

साक्षरता के परिकलन के लिए कई प्रकार के सूचकांको तथा विधियो का प्रयोग किया जाता है। जनसंख्या के आधार पर साक्षरतादर परिकलन दो विधियो द्वारा किया जाता है।

I. अशोधित साक्षरता दर :–

इसमं कुल जनसंख्या एवं कुल साक्षरता को साधारणतः प्रतिशत में निम्न सूत्र द्वारा ज्ञात किया जाता है–

$$\text{साक्षरता दर} = \frac{\text{कुल साक्षर जनसंख्या}}{\text{कुल जनसंख्या}} \times 100$$

II. आयु विशिष्ट साक्षरता दर :–

इसमें निश्चित आयुवर्ग के बच्चो को शामिल नही किया जाता है। इस विधि में साक्षरता दर परिकलन निम्न सूत्र द्वारा होती है।

$$\text{साक्षरता दर} = \frac{\text{कुल साक्षर जनसंख्या}}{\text{कुल जनसंख्या (5—7 आयुवर्ष के शिशुओ को छोड़कर)}} \times 100$$

भारत में 6 वर्ष के कम आयु वर्ग के शिशुओ को साक्षरता में सम्मलित नही किया जाता है। अध्ययन क्षेत्र में साक्षरता दर 63.81 प्रतिशत है। तुलनात्मक रूप में देखा जाय तो भारत की साक्षरता की अपेक्षा काफी कम तथा बिहार की साक्षरता के समतुल्य है। साक्षरता दर में दसकीय वृद्धि का तुलनात्मक स्वरूप निम्न आँकड़ो से स्पष्ट है–

तालिका – 1

साक्षरता वृद्धि का तुलनात्मक स्वरूप (2001–2011)

(साक्षरता दर प्रतिशत में)

	2001	2011	दसकीय अन्तर
समस्तीपुर	45.13	63.81	18.68
बिहार राज्य	47.00	63.82	16.82
भारत	64.83	74.04	9.12

स्रोत– भारत की जनगणना 2011, बिहार श्रृखला।।

तालिका – 1 में साक्षरता दर में दसकीय वृद्धि का तुलनात्मक स्वरुप को दर्शाया गया है। जिसमें भारत में 2001 में कुल साक्षरता 64.83 प्रतिशत से बढ़कर 2011 में 74.04 प्रतिशत अर्थात 9.21 प्रतिशत साक्षरता में वृद्धि हुई। बिहार में 2001 में कुल साक्षरता 47.00 प्रतिशत से बढ़कर 2011 में 63.82 प्रतिशत हो गई, जबकि समस्तीपुर जिला में 2001 में साक्षरता 45.13 प्रतिशत से बढ़कर 2011 में 63.81 प्रतिशत हो गया। दसकीय साक्षरता वृद्धि दर का तुलनात्मक स्वरूप में सबसे अधिक दसकीय वृद्धि में अन्तर समस्तीपुर जिला में कुल साक्षरता में 18.68 प्रतिशत, जबकि बिहार में 16.82 प्रतिशत तथा सबसे कम दसकीय वृद्धि में अन्तर भारत में केवल 9.21 प्रतिशत की हुई। स्पष्ट है कि अध्ययन क्षेत्र में साक्षरता वृद्धि दर तीव्रतर है।

साक्षरता का स्थानिक वितरण :–

अध्ययन क्षेत्र में साक्षरता का स्थानिक वितरण में असमातायें पायी जाती है। स्थानिक वितरण में प्रखण्ड को आधार मानकर अध्ययन किया गया है। जिसमें प्रखण्डवार कुल साक्षरता पुरूष एवं स्त्री साक्षरता का दर्शाया गया है जो निम्न आँकड़ो से स्पष्ट है–

तालिका – 2

प्रखण्डवार साक्षरता का वितरण (2011)

(साक्षरता प्रतिशत में)

क्र०सं०	प्रखण्ड	कुल साक्षरता	पुरूष साक्षरता	स्त्री साक्षरता	पु० स्त्री० साक्षरता में अन्तर
1	कल्यानपुर	63.31	72.41	55.05	17.36
2	बारिसनगर	62.30	72.87	52.75	20.12
3	शिवाजीनगर	61.12	72.97	48.00	24.97
4	खानपुर	59.58	69.68	48.49	21.19
5	समस्तीपुर	73.26	80.99	64.55	24.44
6	पूसा	73.13	81.94	63.45	18.49
7	ताजपुर	71.85	79.58	63.34	16.24
8	मोरवा	62.74	72.74	51.80	21.94
9	पटोरी	63.81	73.84	52.72	21.12
10	मोहनपुर	57.84	65.13	48.54	16.59
11	मोहद्दीनगर	63.15	71.83	53.46	18.37
12	सरायरंजन	65.04	74.62	54.50	20.12
13	विद्यापतिनगर	64.72	73.34	55.08	18.26
14	दलसिंह सराय	66.32	75.26	56.42	18.84
15	उजियारपुर	67.27	76.72	56.95	19.77
16	विभूतिपुर	65.53	75.24	58.87	16.37
17	रोसड़ा	61.15	73.59	53.72	19.87
18	सिंघिया	49.54	59.23	38.82	20.41
19	हसनपुर	69.89	70.85	47.78	23.07
20	विथान	50.23	62.04	37.57	24.47
	कुल जिला	63.81	73.09	53.52	19.57

स्रोत– भारत की जनगणना 2011, बिहार श्रृखला।।

तलिका – 2 में समस्तीपुर जिला में प्रखण्डवार कुल साक्षरता, पुरूष साक्षरता, स्त्री साक्षरता एवं स्त्री–पुरूष साक्षरता में अन्तर दर्शाया गया है। स्थानिक वितरण में सबसे अधिक कुल साक्षरता समस्तीपुर प्रखण्ड में 73.26 प्रतिशत है तथा सबसे कम सिंघिया प्रखण्ड में 49.54 प्रतिशत है। सबसे अधिक पुरूष साक्षरता पूसा में 81.94 प्रतिशत है, तो सबसे कम सिघिया प्रखण्ड में पुरूष साक्षरता 59. 23 प्रतिशत ह। इसी प्रकार सबसे अधिक स्त्री साक्षरता समस्तीपुर प्रखण्ड में 64.55 प्रतिशत तथा सबसे कम सिघिया प्रखण्ड में 38.82 प्रतिशत है। स्त्री पुरूष साक्षरता में सबसे अधिक अन्तर शिवाजीनगर में 24.97 प्रतिशत तथा सबसे कम ताजपुर प्रखण्ड में 16.24 प्रतिशत है। समस्तीपुर जिला में प्रखण्डवार साक्षरता वितरण को निम्न वर्गो में रखा जा सकता है–

प्रखण्डवार साक्षरता का वितरण (2011)

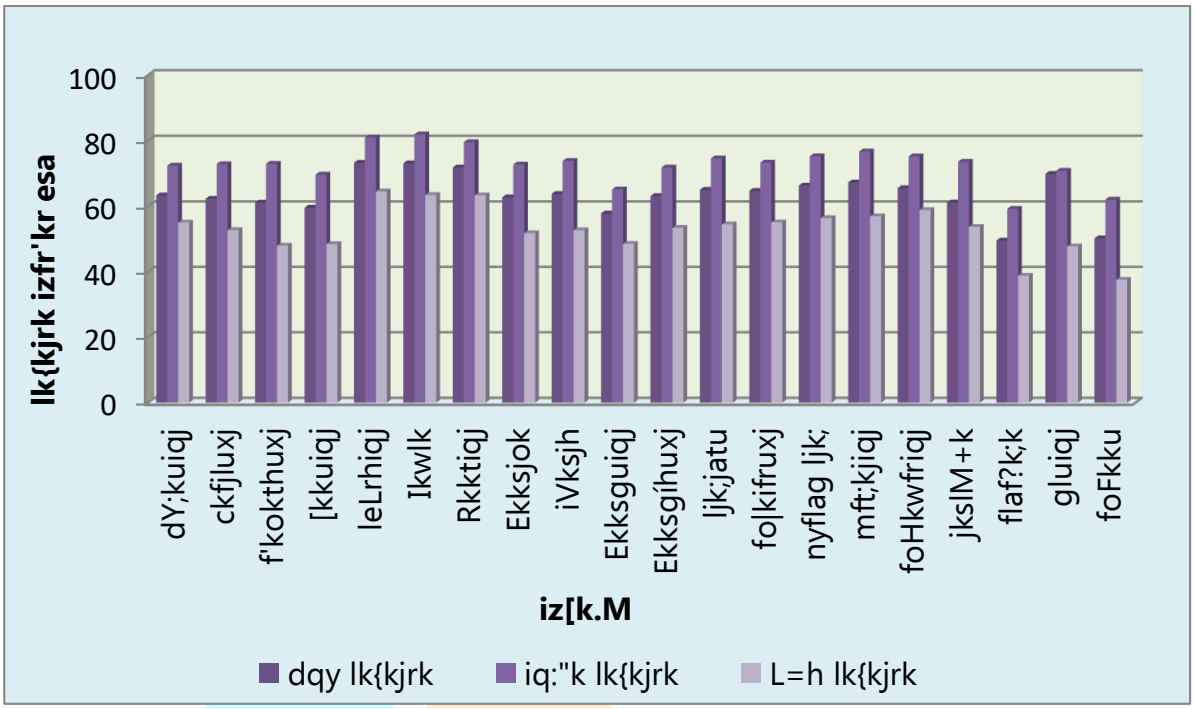

स्त्री–पुरुष साक्षरता में दसकीय अन्तर (2001–11)

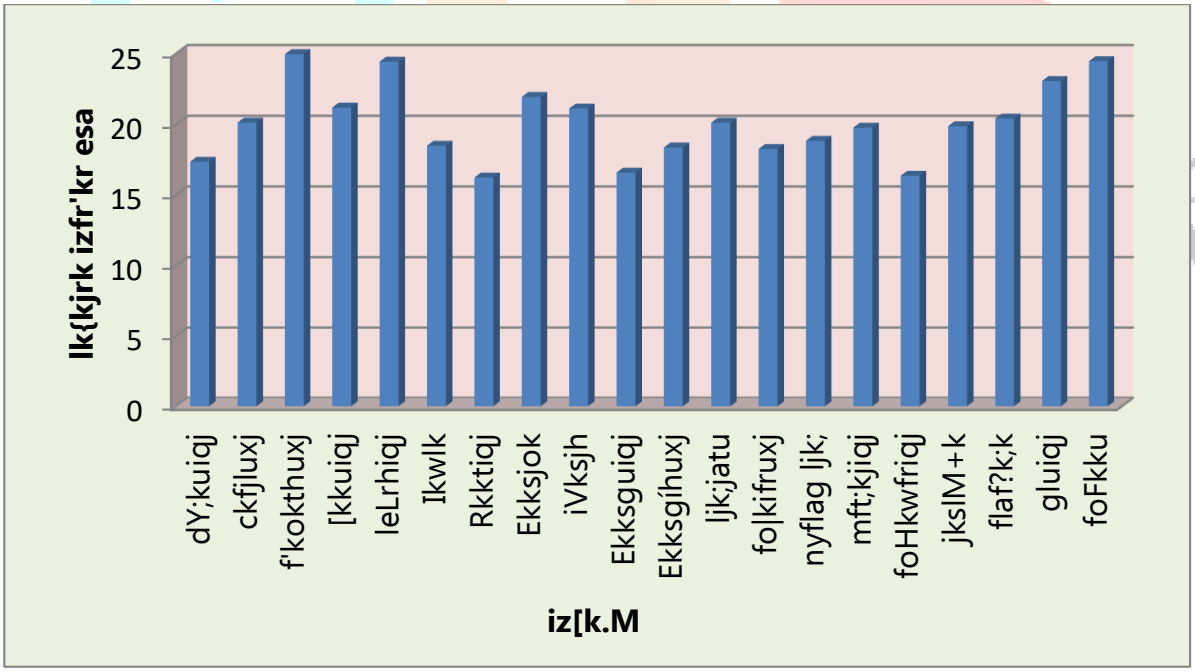

तालिका – 3

प्रखण्डवार साक्षरता का वितरण

क्र०सं०	साक्षरता वर्ग (प्रतिशत में)	प्रखण्ड की आवृति	प्रखण्ड समूह में साक्षरता
1	>70	03 (कुल आवृति का 15 प्रतिशत)	समस्तीपुर प्रखण्ड 73.26 प्रतिशत, पूसा प्रखण्ड में 73. 13 प्रतिशत, ताजपुर प्रखण्ड में 71.85 प्रतिशत
2	65 – 70	05 (कुल आवृति का 25 प्रतिशत)	हसनपुर 69.89 प्रतिशत, उजियारपुर 67.27 प्रतिशत, दलसिंह सराय 66.32 प्रतिशत, विभूतिपुर 65.53 प्रतिशत, सरायरंजन 65.04 प्रतिशत
3	60 – 65	08 (कुल आवृति का 40 प्रतिशत)	पटोरी 63.81 प्रतिशत, कल्यानपुर 63.31 प्रतिशत, मोहद्दीनगर 63.16 प्रतिशत, मोरवा 62.74 प्रतिशत, वारिसनगर 62.30 प्रतिशत, रोसड़ा 61.65 प्रतिशत, शिवाजीनगर 61.12 प्रतिशत तथा विद्यापतिनगर 64. 12 प्रतिशत
4	<60	04 (कुल आवृति का 20 प्रतिशत)	खानपुर 59.58 प्रतिशत, मोहनपुर 57.84 प्रतिशत, विथान 50.23 प्रतिशत तथा सिंघिया प्रखण्ड में 49. 54 प्रतिशत।

प्रखण्डवार साक्षरता का वितरण

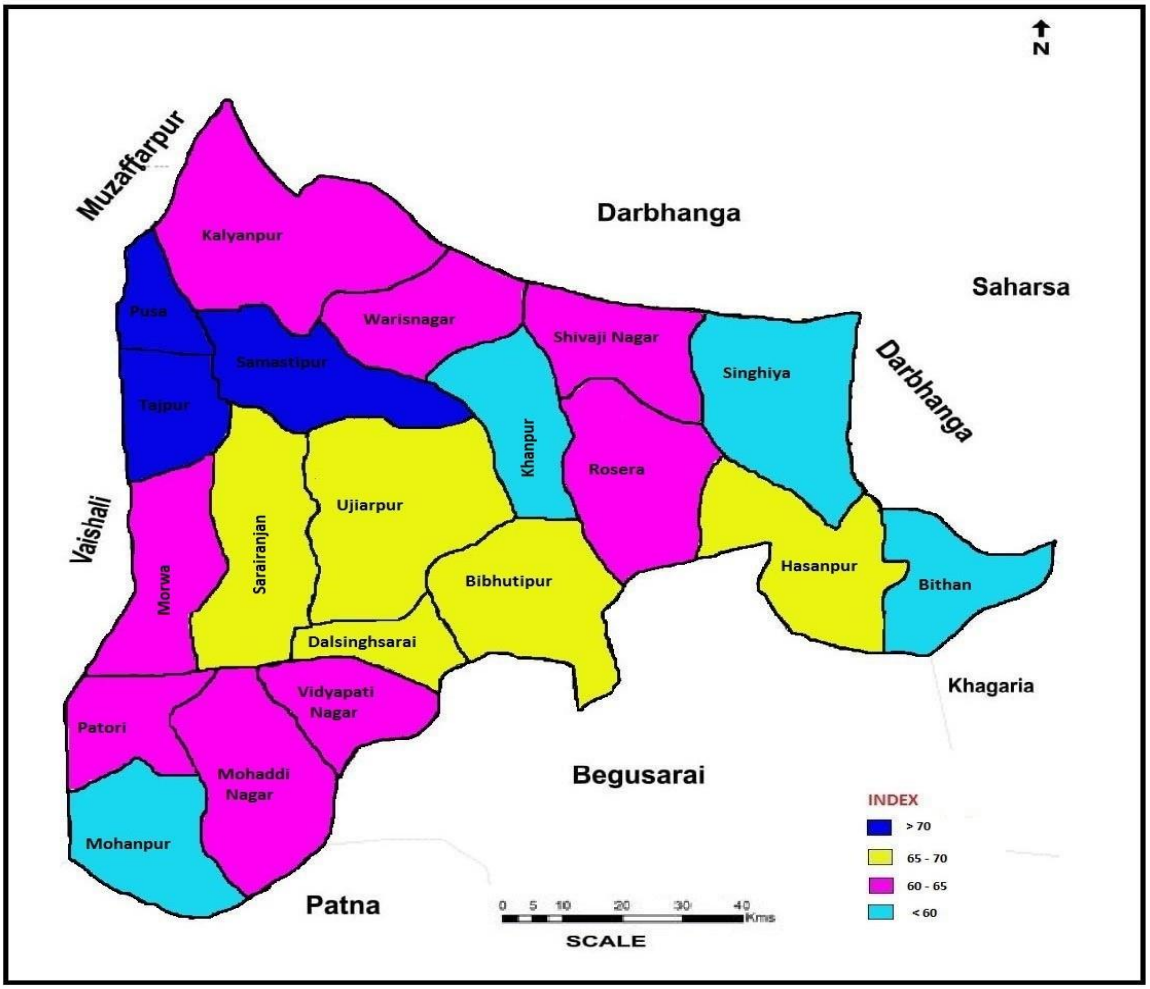

पुरूष–स्त्री साक्षरता :–

अध्ययन क्षेत्र समस्तीपुर जिला में पुरूष–स्त्री साक्षरता में काफी अन्तर पाया जाता है। प्रायः सभी प्रखण्डो में पुरूष साक्षरता की तुलना में स्त्री साक्षरता काफी कम है। सबसे अधिक पुरूष साक्षरता पूसा प्रखण्ड में 81.94 प्रतिशत तथा सर्वाधिक स्त्री साक्षरता समस्तीपुर प्रखण्ड में 64.55 प्रतिशत है। दूसरी ओर सबसे कम पुरूष साक्षरता सिंघिया में 59.23 प्रतिशत एवं सबसे कम स्त्री साक्षरता

सिंघिया में 38.82 प्रतिशत है। अन्य प्रखण्डो में अधिकतम एवं न्यूनतम साक्षरता के मध्य अन्तर कम है, जिससे स्त्री–पुरूष साक्षरता में अन्तर को स्पष्ट किया जा सकता है।

पुरूश–स्त्री साक्षरता में अन्तर :–

प्रस्तुत लेख समस्तीपुर जिला में प्रखण्डवार पुरूष–स्त्री साक्षरता में अन्तर को निम्न वर्गो में रखा जा सकता है–

I. पुरूष–स्त्री साक्षरता में उच्चतर अन्तर वाला प्रखण्ड :–

इसके अन्तर्गत अध्ययन क्षेत्र का चार प्रखण्ड सम्मलित है जिसमें स्त्री पुरूष साक्षरता में 22 प्रतिशत से अधिक अन्तर है। इसमें समस्तीपुर, शिवाजीनगर, हसनपुर तथा विथान प्रखण्ड सम्मलित है जो कुल प्रखण्डो 20 प्रतिशत प्रखण्ड है।

II. पुरूष–स्त्री साक्षरता में उच्च अन्तर वाला प्रखण्ड :–

इसके अन्तर्गत वे प्रखण्ड सम्मलित है जिसमें पुरूष–स्त्री साक्षरता में अन्तर 20–22 प्रतिशत है। इन प्रखण्डो में वारिसनगर, खानपुर, मोरवा, पटोरी, सरारंजन, सिंघिया प्रखण्ड सम्मलित है जो कुल प्रखण्डो का 30 प्रतिशत है।

III. पुरूष–स्त्री साक्षरता में मध्यम अन्तर वाला प्रखण्ड :–

इसमें सम्मलित प्रखण्डो में पुरूष–स्त्री साक्षरता में 18–20 प्रतिशत अन्तर पाया जाता है। इसके अन्तर्गत पूसा, मोहद्दीनगर, विद्यापतिनगर, दलसिंहसराय, उजियारपुर एवं रोसड़ा प्रखण्ड सम्मलित है। इसमें कुल प्रखण्डो का 30 प्रतिशत प्रखण्ड है।

IV. पुरूष–स्त्री साक्षरता में न्यून अन्तर वाला प्रखण्ड :–

इसमें अध्ययन क्षेत्र का चार पखण्ड सम्मलित है, जिसमें पुरूष–स्त्री साक्षरता दर 18 प्रतिशत से कम है। इसमें कल्यानपुर, ताजपुर, मोहनपुर तथा विभूतिपुर प्रखण्ड सम्मलित है। इसके अन्तर्गत अध्यन क्षेत्र के कुल प्रखण्डो का 50 प्रतिशत प्रखण्ड सम्मलित है।

समस्तीपुर जिला में पुरूष साक्षरता की तुलना में स्त्री साक्षरता काफी कम है, जिसका मुख्य कारण समाज में स्त्री शिक्षा के प्रति उदाशीनता, प्राथमिक अर्थव्यवस्था के कारण गरीबी, शिक्षण संस्थानो की कमी, परिवहन के साघनो का अभाव, स्त्री सुरक्षा का अभाव आदि कारणों से स्त्री साक्षरता न्यून रहा है। लेकिन वर्तमान परिवेश में स्त्री शिक्षा में वृद्धि के लिए समाजिक जागरूकता एवं सरकारी प्रयास तथा प्रोत्साहन से स्त्री शिक्षा के विकास में तीव्रता आयी है।

ग्रामीण नगरीय साक्षरता :–

अध्ययन क्षेत्र समस्तीपुर जिला में ग्रामीण एवं नगरीय साक्षरता में काफी अन्तर पाया जाता है। यहाँ ग्रामीण साक्षरता 63.81 प्रतिशत है, तो नगरीय साक्षरता 83.37 प्रतिशत अर्थात नगरीय साक्षरता की अपेक्षा ग्रामीण साक्षरता 20 प्रतिशत अधिक है। समस्तीपुर जिला के केवल पाँच प्रखण्ड में नगरीय केन्द्र है, जबकि अन्य 15 प्रखण्डो में केवल ग्रामीण जनसंख्या है। ग्रामीण नगरीय साक्षरता निम्न आँकड़ो से स्पष्ट है–

तालिक – 4

ग्रामीण नगरीय साक्षरता का वितरण (2011)

(साक्षरता प्रतिशत में)

क्रम संख्या	प्रखण्ड एवं नगरीय केन्द्र	ग्रामीण साक्षरता	नगरीय साक्षरता	ग्रामीण नगरीय साक्षरता में अन्तर
1	समस्तीपुर	79.14	86.14	7.00
2	दलसिंहसराय	64.68	79.10	14.42
3	रोसड़ा	61.39	78.65	17.26
4	वारिसनगर	61.68	78.58	16.90
5	कल्यानपुर	63.28	65.30	2.02

स्रोत – भारत की जनगणना 2011, बिहार श्रृखला ।।

ग्रामीण नगरीय साक्षरता का वितरण

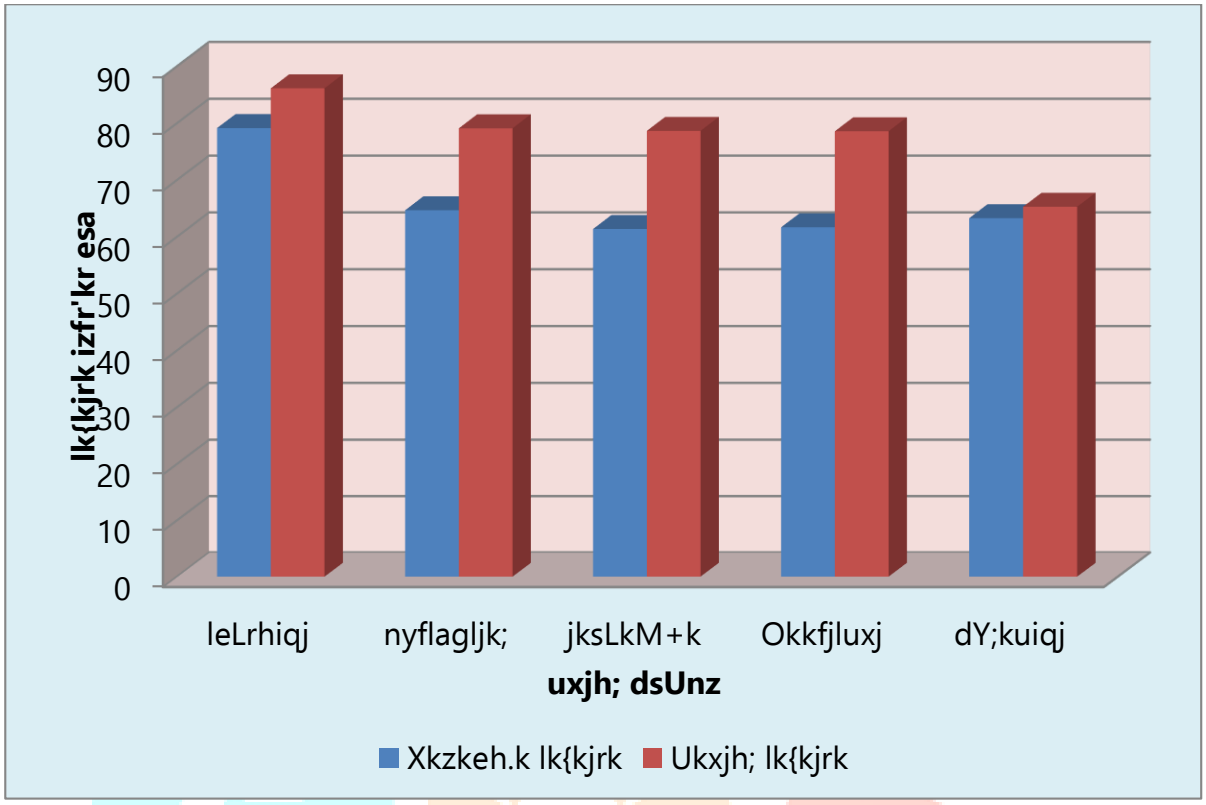

तालिका – 4 में ग्रामीण नगरीय साक्षरता का तुलनात्मक स्वरूप को दर्शाया गया है, जिसमें सबसे अधिक नगरीय साक्षरता समस्तीपुर प्रखण्ड में 86.14 प्रतिशत है क्योकि यह जिला मुख्यालय है। यहाँ ग्रामीण साक्षरता 79.14 प्रतिात है। ग्रामीण नगरीय साक्षरता में 7.00 प्रतिशत का अन्तर है। दलसिंहसराय प्रखण्ड में ग्रामीण साक्षरता 64.68 प्रतिशत तथा नगरीय साक्षरता 79.10 प्रतिशत तथा साक्षरता में अन्तर 14.42 प्रतिशत है। रोसड़ा प्रखण्ड में ग्रामीण साक्षरता 61.39 प्रतिशत तथा नगरीय साक्षरता 78.65 प्रतिशत है। यहाँ साक्षरता में अन्तर 17.26 प्रतिशत है। वारिसनगर प्रखण्ड में ग्रामीण साक्षरता 61.68 प्रतिशत, नगरीय साक्षरता 78.58 प्रतिशत तथा अन्तर 16.9 प्रतिशत है। कल्यानपुर प्रखण्ड में ग्रामीण साक्षरता 63.28 प्रतिशत तथा नगरीय साक्षरता 65.30 प्रतिशत तथा नगरीय ग्रामीण साक्षरता में केवल 2.02 प्रतिशत का अन्तर है। समस्तीपुर जिला में ग्रामीण साक्षरता 63.71 प्रतिशत तथा नगरीय साक्षरता 83.37 पतिशत है। ग्रामीण नगरीय साक्षरता में अन्तर 19.64 प्रतिशत है। यहाँ जिला मुख्यालय में सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या है, जबकि अन्य क्षेत्रो में अपेक्षाकृत कम नगरीय जनसंख्या है। सम्पूर्ण जिला में स्थानिक साक्षरता वितरण में काफी अन्तर पाया जाता है।

निष्कर्ष :–

साक्षरता मानव का गुणात्मक पक्ष है, जो मानव के सर्वाधिक विकास में सहायक रहा है। साक्षरता मानव का पशु से अलग करने वाली रेखा है। यह मानव को मानवता का गुण प्रदान करता है। अध्ययन क्षेत्र समस्तीपुर जिला में साक्षरता की वृद्धिदर मंद रहने के कारण भारत में सबसे कम साक्षरता वाला राज्य बिहार का एक जिला है। न्यून साक्षरता का कारण यहाँ की समाजिक आर्थिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक परिवेश उत्तरदायी रहा है। लेकिन वर्तमान समय समाजिक जागरूकता एवं सरकारी प्रयास से साक्षरता वृद्धि में तीव्रता आयी है। आशा है निकट भविष्य मं अध्ययन क्षेत्र की साक्षरता भी देश की औसत साक्षरता के समकक्ष हो जायगी।

–: संदर्भ सूची :–

क्रम संख्या	लेखक का नाम	प्रकाशन का नाम
I	भारत की जनगणना सार 2011 बिहार श्रृखला।।	
II	पाण्डा वी० पी०	जनसंख्या भूगोल
III	शर्मा नन्देश्वर	बिहार का भौगोलिक समीक्षा, वसुन्धरा प्रकाशन गोरखपुर।
Iv	Goasal G.s	Special perspective an Literacy in India Population Geography.
V	Woods R.	Population Analysis in Geography Longman Londan 1979.
VI	Bhattacharya P.T. and Shastri G.N.	Astudy at interstate variations, New Delhi.
VII	Barclay G.M.	Technique of Population Analysis Johan wiley and suns Newyark.